देश में आर्थिक सुधार के लिए बड़े नोट बन्द करने का सरकार का निर्णय स्वागत योग्य है - लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 09 नवम्बर 2016: लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन ने देश में आर्थिक सुधार के लिए 500 और 1000 रूपए के नोट बन्द करके, 500 और 2000 रूपए के नए नोट जारी करने के सरकार के निर्णय का स्वागत किया है । अपने सन्देश में श्रीमती महाजन ने कहा: "देश में आर्थिक सुधार के लिए बड़े नोट बन्द करने का सरकार का निर्णय स्वागत योग्य है। विकसित और सम्पन्न भारत के निर्माण की दिशा में लिया गया यह ऐतिहासिक कदम है। सरकार का इस साहसिक फैसले का निहितार्थ केवल काले धन पर प्रतिबन्ध लगाना ही नहीं अपितु पड़ोसी देशों से आ रहे जाली नोटो पर प्रभावकारी रोक लगाना भी है। ऐसे धन से देश में आतंकी गतिविधियां चलाई जा रही थी। इस ऐतिहासिक फैसले के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी बधाई के पात्र हैं। इस फैसले से धन-बल के प्रयोग पर अंकुश लगेगा और श्रम-धन का मान बढ़ेगा।

आर्थिक समरसता और देश की उन्नति के लिए यह फैसला मील का पत्थर साबित होगा। इससे आम जनता ही सबसे अधिक लाभान्वित होगी। आम जनता कई सालों से काले धन की समाप्ति और भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण की राह देख रही थीं। मैं मानती हूँ कि व्यवस्था बदलाव की इस प्रक्रिया में थोड़ी कठिनाई जरूर होगी। लेकिन देश के लिए कुछ बड़ी चीज़ हासिल करने के लिए छोटी तकलीफें उठानी पड़ती है। यदि हमारे जवान सीमा पर देश की रक्षा के लिए अपनी जान दांव पर लगाते हैं तो देशहित में थोड़ी असुविधा सहन करने के लिए हमें तैयार रहना होगा। मैं आप सबसे नवनिर्माण की इस प्रक्रिया में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने की अपील करती हूँ, इसे सफल बनाने में अपना सक्रिय योगदान दें। साथ ही सरकार को इस साहसिक कदम

उठाने के लिए बधाई देती हूँ।"